

के अन्तर् की शक्ति को जो न उप
खण्ड की ग परीक्षण गथा...
... द्वारा की जाती
है। इस डिजाइन में वाहिरंग-चरों को
मापदंडीकरण की विधि द्वारा नियंत्रित
किया जाता है।

(*) सिर्फ या दृच्छीकृत-संगमित-पोस्टटेस्ट-
नियंत्रित समूह डिजाइन (Randomized
matched post-test only design)

यह डिजाइन या दृच्छीकृत-सिर्फ
पोस्टटेस्ट नियंत्रित समूह डिजाइन को
काफी महाना-जुलता है परन्तु न्यूनतम
यह है कि सिर्फ या दृच्छीकृत पोस्टटेस्ट
नियंत्रित समूह डिजाइन में वाहिरंग-चरों
को नियंत्रित करने के लिए मात्र या दृच्छी
कृत समीक्षण करण की प्रविधि का उपयोग
किया जाता है जबकि या दृच्छीकृत संग-
मित सिर्फ पोस्ट टेस्ट नियंत्रित समूह
डिजाइन में वाहिरंग-चरों को नियंत्रित
करने के लिए या दृच्छी कृत तथा
स्थिरता दोनों प्रविधियों का उपयोग
किया जाता है। इस डिजाइन को सर्व
के रूप में निम्नपत्र दर्शाया जाता
है।

R1 X 0,

R1 0 2,

इस डिजाइन में दो ही समूह होते हैं और
दोनों समूह का प्रारम्भिक चरण जीवसंरक्षा या
समय से मापदंडिक हंग से किया जाता है,
पुनः इन प्रयोज्यों को वाहिरंग-चर पर समीक्षण
(matched) कर दिया जाता है जो आश्रित
चर (DV) को प्रभावित कर सकें हैं। इसके
पश्चात् प्रयोज्यों को दो समूहों में मापदंड
विभाजन कर दिया जाता है। एक समूह में
विवेचन या स्वतंत्र चर 'X' दिया जाता है और
दूसरे समूह को इससे वंचित रखा जाता
है। तत्पश्चात् दोनों समूहों के निष्पादन का

माप DV (आश्रित चर) पर की जाती है। DV पर के प्राप्ति को के मापों के अन्तर को सार्थकता है परीक्षण या F परीक्षण मा मान-विन्नी P परीक्षण द्वारा करके एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है।

(3) प्रीवेस्ट पोस्ट टेस्ट नियंत्रित समूह डिजाइन (Pretest-Posttest Control Group Design) प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प का प्रीवेस्ट-पोस्ट टेस्ट नियंत्रित समूह डिजाइन भी एक प्रमुख प्रचलित डिजाइन है। इस डिजाइन में भी दो समूह होते हैं और दोनों समूहों को आश्रित चर (DV) पर जांच, स्वतंत्र चर 'X' को पहले कर लिया जाता है। पुनः उनमें से एक समूह को 'X' (स्वतंत्र चर) दिया जाता है तथा दूसरे समूह को उनसे वांछित देखा जाता है। इस डिजाइन को संकेत रूप में निम्नवत् प्रदर्शित किया जाता है —

$RO_1 \times O_2$

$RO_2 \quad O_1$

उपरोक्त संकेत से स्पष्ट होता है कि सभी प्रयोगों का चयन दो चरों द्वारा मापव्यक्त होगा से किया गया है। साथ ही साथ उसका दो समूहों में मापव्यक्त आवंटन या विभाजन किया गया है। इस डिजाइन में एक ही नियंत्रित समूह का उपयोग किया जाता है इसलिए आन्तरिक वैधता को प्रभावित करने वाले कारक प्रभाव-परिपक्वता, समकालीन इतिहास तथा सांख्यिकीय परिवर्तन आदि नियंत्रित हो जाते हैं। मापव्यक्त विभाजन के कारण चयन पूर्ण सह और प्रयोगात्मक वक्षरता जैसे विपरीत प्रभाव डालने वाले कारकों को भी नियंत्रण हो जाता है। परन्तु इस डिजाइन में परीक्षण प्रभाव जैसे कारक जिसका वृद्धभाव आन्तरिक वैधता

112 पक्षों में, का विवेचन नहीं किया है। प्रयोगों को प्रीलेबल करने को अनुभव प्राप्त हुआ है कि विचारों को प्रीलेबल करने के लिए प्रयोगों में, प्राथमिक के माध्यम से, अनुभव का प्रायोगिक विवेचन करना आवश्यक प्राप्त किया जाना, और प्रीलेबल प्राथमिक में प्रीलेबल के अनुभव को प्रीलेबल विवेचन द्वारा अपने आप प्रायोगिक होना है। ऐसे प्रयोगों को अलग का प्रायोगिक विवेचन करने का यह विचारन में कोई प्रावधान नहीं है।

(ग) माइक्रोसॉफ्ट एक माजीम एनोवा डिजाइन प्रतिलोपण करने वाले एक प्रयोग (प्रयोग)

इस डिजाइन के आधार पर जिस प्रयोगों का संन्धान किया जाता है उसमें तीन या अधिक समूह होते हैं। लेकिन स्वतंत्रता (14) की संख्या एक ही रहती है। साथ-ही-साथ प्रायोगिक विवेचन के लिए प्रायोगिक परीक्षण F टेस्ट का प्रयोग किया जाता है। इस डिजाइन को संकेत रूप में निम्नलिखित व्यवस्था किया जाता है -

- R x 1 0₁
- R x 2 0₂
- R x 3 0₃

इस संकेत में स्पष्ट होता है कि इस डिजाइन में तीन समूहों को सम्मिलित किया गया है जिसमें प्रयोगों का नमूना जीवसंख्या या समानता से माइक्रोसॉफ्ट सिद्ध है कि प्रयोग है। इसमें समूहों की संख्या तीन से अधिक नहीं हो सकती है। तीन समूह को विवेचन माइक्रो 'X' अलग-अलग दिया जाता है। दूसरे शब्दों में ऐसे अध्ययन में